केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में साम्प्रदायिक सद्भाव अभियान/कौमी एकता सप्ताह (19 से 25 नवम्बर) का शुभारम्भ।

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में आज 19 नवम्बर 2009 से कौमी एकता सप्ताह का शुभारम्भ हो गया है। साम्प्रदायिक सद्भावना के तहत संस्थान के स्टाफ मनोरंजन क्लब के अध्यक्ष डा. नीरज कुलश्रेष्ठ ने संस्थान के निदेशक डा. गुरबचन सिंह, संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री रत्नेश कुमार यादव को साम्प्रदायिक सद्भावना झंडा भेंटकर कार्यक्रम की शुरुआत की इस सप्ताह के दौरान संस्थान के शेष सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना झंडे बेचे जायेगें। इन झंडो से एकत्रित हुए धन को दंगों से प्रभावित परिवारों व बच्चों के कल्याण के लिये नेशनल फाउंडेशन फार कम्यूनल हारमोनी, भारत सरकार को भेजा जायगा। कौमी एकता सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। जिनके माध्यम से कौमी एकता एवमं साम्प्रदायिक सद्भावना अपनाने पर बल दिया जायगा। मंच संचालक श्री आर.के दहिया द्वारा मंनोरंजन क्लब के अध्यक्ष डा. नीरज कुलश्रेष्ठ को झंडा लगाया गया तथा कौमी एकता मनाने का उद्देश्य एवं भारत सरकार से प्राप्त कौमी एकता संबधित पत्र पढ़कर कार्यक्रमों के सम्भावित आयोजनों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. गुरबचन सिंह ने कहा कि देश की आजादी व एकता बनाये रखने और उसे मजबूत करने के लिये समर्पित होने की जरुरत है हम सब को एक दूसरे के साथ मिलकर कार्य करना चाहिये। द्वेष की भावना त्यागने व आपसी भाई चारे से ही यह संस्थान, समाज व देश प्रगति की राह पर होगा। अगर हम सब मिलकर कार्य करेंगे तो कोई भी कार्य कठिन नहीं होगा। निदेशक ने कहा कि हिंसा का सहारा लिये बिना तथा धर्म, भाषा क्षेत्र से सम्बधित भेदभाव और झगड़ों तथा अन्य राजनीतिक या आर्थिक शिकायतों का निपटारा शांतिपूर्ण व संवैधानिक तरीकों से करना चाहिए।निदेशक ने कहा कि अगर भारत को विकास की तरफ ले जाना है तो साम्प्रदायिकता को छोड़कर सद्भावना को अपनाना ही होगा क्योंकि साम्प्रदायिकता की वजह से देश का विकास बाधित होता है। इसी समस्या की वजह से सैंकडों जानें जाती है तो हजारों घर भी तबाह हो जाते हैं। अब साम्प्रदायिकता के जहर को भारत से समाप्त करने तथा कौमी एकता व साम्प्रदायिक सद्भावना बनाये रखने का समय आ गया है। यह तभी सम्भव है जब हम अपने आस–पास के वातावरण को ठीक रखेंगे व सभी धर्मों के लोग एक दूसरे का सम्मान करेंगें। संस्थान के निदेशक द्वारा संस्थान कर्मियों से सद्भावना व कौमी एकता को बनाये रखने की अपील करते हुये राष्ट्रीय एकता शपथ भी दिलवाई गई।